

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में विद्युतीकृत गावों के नाम

76. श्री बाबू लाल सोलंकी : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना और ग्वालियर जिलों और उत्तर प्रदेश के आगरा, इटावा, जालौन और झांसी जिलों के उन गावों के नाम क्या हैं जिनमें अब तक बिजली लगाई जा चुकी है और उन गावों के नाम क्या हैं जिनमें वर्ष 1980-81 में बिजली लगाये जाने का प्रस्ताव है; और

(ख) गत तीन वर्षों में, वर्षवार, कितने निजी नलकूपों के लिए बिजली उपलब्ध कराई गई और वर्ष 1980-81 में कितने निजी नलकूपों के लिए बिजली उपलब्ध कराई जायेगी ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री

(श्री ए० बी० ए० गंगी खान चौधरी) :
(क) मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना, ग्वालियर जिलों में आबाद गावों की संख्या तथा उनमें से 29-2-1980 तक विद्युतीकृत गावों की संख्या नीचे दी जाती है :—

जिले का नाम	आबाद गावों की कुल संख्या	विद्युतीकृत गावों की संख्या
1. भिंड	892	521
2. मुरैना	1249	507
3. ग्वालियर	753	284

उत्तर प्रदेश के आगरा, इटावा, जालौन और झांसी जिलों के गावों की संख्या तथा उनमें 31-3-1979 तक विद्युतीकृत गावों की संख्या नीचे दी जाती है :—

जिले का नाम	गाव की कुल संख्या	विद्युतीकृत गावों की संख्या
आगरा	1182	474
इटावा	1477	416
जालौन	957	295
झांसी	780	152

मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना और ग्वालियर जिलों में तथा उत्तर प्रदेश के आगरा, इटावा, जालौन और झांसी जिलों में विद्युतीकृत गावों के नाम एकत्रित किए जा रहे हैं और सभा पटल पर रख दिये जाएंगे।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में वर्ष 1980-81 के दौरान गावों को विद्युतीकृत करने के जलवार कार्यक्रम को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

(ख) वर्ष 1976-77, 1977-78 और 1978-79 के दौरान मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना और ग्वालियर जिलों में ऊर्जित किए गए निजी ट्यूबवेलों की संख्या नीचे दी जाती है :—

जिले का नाम	किए गए ऊर्जित कुल सिंचाई पम्पसेट ट्यूबवेल		
	1976-77	1977-78	1978-79
1. भिंड	90	60	—
2. मुरैना	50	29	—
3. ग्वालियर	13	5	—

पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के आगरा, इटावा, जालौन और झांसी जिलों में ऊर्जित किए गए निजी ट्यूबवेलों की संख्या निम्नानुसार है :—

जिले का नाम	ऊर्जित सिंचाई पम्पसेट ट्यूबवेल		
	1976-77	1977-78	1978-79
आगरा	220	416	410
इटावा	78	168	149
जालौन	44	15	19
झांसी	6	54	55

अमृत प्रदेश और उत्तर प्रदेश में वर्ष 1980-81 के दौरान ट्यूबवेलों के ऊर्जन के लिए आन्ध्र-वनों पर, कृषकों द्वारा अर्पित औपचारिकताएं पूरे हो जाने पर आर्थिक दृष्टि से ध्यवहार्य अनुमानों के आधार पर संबंधित राज्य बिजली बोर्डों द्वारा विचार किया जाएगा।

चम्बल पर लिफ्ट सिंचाई परियोजना

77. श्री बाबू लाल सोलंकी : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार मध्य प्रदेश के जिला मुरैना में और उत्तर प्रदेश के जिला आगरा की बाह तहसील में कृषि भूमि की सिंचाई के लिए चम्बल पर लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण संबंधी फिजी प्रस्ताव पर विचार कर रही हैं और यदि हां, तो परियोजना का पूरा विवरण क्या है ; और

(ख) परियोजना पर कितनी लागत अयेगी, उसका निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाएगा तथा परियोजना पूरी हो जाने पर उससे लगभग कितनी एकड़ भूमि की सिंचाई होने की संभावना है ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) और (ख). मध्य प्रदेश सरकार इसाह गांव के निकट चम्बल नदी पर एक लिफ्ट सिंचाई स्कीम का अध्ययन कर रही है? इस स्कीम पर 694 करोड़ क्षेत्र रुपये की लागत आने का अनुमान है और इससे मुरैना जिले में 14,400 हेक्टेयर की सिंचाई होगी। इस स्कीम से चम्बल प्रणाली की वर्तमान अम्बाह शाखा नहर की जल सप्लाई में वृद्धि होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने भी आगरा और इटावा जिलों में 1.2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के लाभ के लिए चम्बल पर एक लिफ्ट सिंचाई परियोजना तैयार की है जिसपर 12.11 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। परियोजना रिपोर्ट के अनुसार यह स्कीम प्रारम्भ होने की तारीख से चार वर्षों की अवधि के अन्दर पूरी की जानी है। केन्द्रीय जल आयोग ने परियोजना रिपोर्ट की जांच कर ली है और अपनी टिप्पणियां अनुपालन के लिए राज्य सरकार को भेजी हैं।

Expenditure incurred on Verghese Committee

78. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state what was the expenditure incurred on the Verghese Committee on A.I.R. and Doordarshan?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE): The total expenditure incurred on the Verghese Committee, including expenditure on printing of its report, was Rs. 3,47,088/-.

MRTP Commission Charges against Colgate-Palmolive (India)

79. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Colgate-Palmolive (India), the subsidiary of an American Multi-National Corporation, has been charged by the M.R.T.P. Commission, with Monopolistic and Restrictive Trade Practices;

(b) if so, what are the details of the charges against this company, and

(c) what action, if any, has been taken on the same?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI P. SHIVSHANKER): (a) to (c). In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 31 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, the Central Government referred to the M. R. T. P. Commission on 28th March, 1974, the case of M/s. Colgate-Palmolive (India) Pvt. Limited for an inquiry as to whether, having regard to the economic conditions prevailing in the country and to all other matters which appear, in the particular circumstances to be relevant, the trade practices alleged to be indulged in by the aforesaid company operate or are likely to operate against the public interest. The aforesaid references to the Commission was made as a result of the Prime facie opinion formed by the Government that M/s. Colgate-Palmolive (India) Pvt. Ltd., a subsidiary of Colgate-Palmolive-Poto Company, incorporated in the United States of America,